जैन धर्म का इतिहास द्वितीय खण्ड

विषय-अनुक्रमणिका

सामान्य प्राक्कथन् xv

द्वितीय खण्ड का विशिष्ट्य प्राक्कथन xxiii

संकेत सूची xxv

प्रथम खण्ड
महावीर के पूर्व जैन धर्म और उसका काल

1. महावीर स्वामी से पूर्व जैन धर्म 1

2. साधन स्रोत 21

3. भगवान महावीर का जीवन वृत्तांत 47

4. भगवान महावीर के उपदेश 111

5. भगवान महावीर का युग 175

ग्रंथ-सूची 375

द्वितीय खण्ड
जैन धर्म का ऐतिहासिक सर्वेक्षण और प्रसार

6. जैन धर्म का प्रसार एवं ऐतिहासिक महत्त्व 385

नन्द (364-324 ई.पू.) 385

पश्चिम भारत के यूनानी लेखकों का विवरण 386
मौर्य (324.187 ई.पू.) 388
चन्द्र गुप्त (324-300 ई.पू.) – बिन्दुसार (लगभग 300-273 ई.पू.) – अशोक (लगभग 273-236 ई.पू.) – सम्प्रति
शुंग (ल. 187-75 ई.पू.) 396
पुष्यमित्र (ल. 187-75 ई.पू.)
जैन धर्म का प्रचार 397
कलिंग (उड़ीसा) का चेदि (महामेघवाहन) वंश 398
मरुण्ड 402
तमिलदेश 402
मथुरा क्षेत्र (सूरसेन जनपद) (लगभग 208 ई.पू.-200 ई.) 403
अवंति, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र 412
सातवाहन 414
विदेशी आक्रमण, गंधार जनपद और अन्य 416
गुप्त (लगभग 300 ई. लगभग 500 ई.) 418
उत्तर गुप्तकाल 422
युवान च्वांग का वर्णन 422
मुस्लिम यात्रियों द्वारा पश्चिम भारत में जैन धर्म का उल्लेख 425
दक्खन (लगभग 300-700 ई.) 426
तल्काड़ के गंग 427
कदम्ब वंश (करीब 340-600 ई.) 428
वातापी (बादामी) के पश्चिमी चालुक्य 430
उत्तर भारत (करीब 800-1200 ई.) 432
साम्राज्यवादी प्रतीहार 433
राजोरगढ़ के बड़गुर्जर प्रतीहार 435
चहमान 436
चन्द्रवाड़ के चौहान 440
परमार 441
चालुक्य 445
हटुंडी के राठौड़ 447
बयाना व श्रीपथा के यदुवंशी व सूरसेन राजा 447
देहली के तोमर 449
कलचुरि 450
जिजाकभुक्ति (बुन्देलखंड) के चन्देल 450
कच्छपघाट 452

बंगाल के पाल और सेन 453
उड़ीसा का केशरी वंश 454
पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा 455
राष्ट्रकूट 456
पल्लव 461
साम्राज्यवादी चोल 465
मदुरा के पाण्ड्य 468
पश्चिमी गंग 470
उत्तर चालुक्य 470
पश्चिमी चालुक्य 471
शिलाहार 471
द्वारसमुद्र के होयसल 475
सामंत और उच्च अधिकारी 476
वारंगल के काकतीय 477
दक्षिण के कलचुरि 479
देवगिरि के यादव 480
दक्षिण-पूर्वी एशिया में औपनिवेशिक और सांस्कृतिक प्रसार 481
संघर्ष का युग 481
महमूद गजनी (998-1030 ई॰) का आक्रमण 481
उत्तर भारत के तुर्कों की विजय 483
देहली सल्तनत 485
गुलाम वंश 486
खलज़ी (1290-1320 ई॰) 486
तुगलक वंश (1320-1412 ई॰) 487
सैयद 490
लोदी 490
ग्वालियर के तोमर राजा 491
मांडू के सुलतान 492
गुजरात में मुस्लिम राज्य (चौदहवीं-पन्द्रहवीं सदी में) 495
चौदहवीं सदी में जैन धर्म 496
1400-1450 ई॰ में जैन धर्म 499
पन्द्रहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में जैन धर्म 500
विजयनगर का राज्य 501
मुगल 503
बाबर (1526-30 ई॰) 504

हुमायूं 504
सूरवंश 505
अकबर 506
जहाँगीर (1605-27 ई.) और शाहजहाँ (1628-58 ई.) 509
औरंगजेब (1658-1707 ई.) 510
1707-1857 ई. में जैन धर्म 511
राजस्थान के विभिन्न पूर्व राज्यों में जैन धर्म 512
मेवाड़ 512
डूंगरपुर, बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़ राज्यों में जैन धर्म 515
कोटा राज्य में जैन धर्म 518
सिरोही राज्य में जैन धर्म 519
जैसलमेर में जैन धर्म 521
जोधपुर और बीकानेर में जैन धर्म 524
जयपुर राज्य में जैन धर्म 527
अलवर में जैन धर्म 532

7. जैन साधु राजनीतिज्ञ और श्रावक 535

जैन साधु 535
कुंदकुंदाचार्य – उमास्वामी – समन्तभद्र – शिवार्थ – धरसेन – गुणधर – यतिवृषभ – पूज्यपाद देवनंदि – सिद्धसेन दिवाकर – देवर्धिगणि क्षमा श्रमण – मानतुंग – अकलंक – हरिभद्रसूरि – सिद्धर्षि – जिनेश्वर सूरि – जिनवल्लभ सूरि – जिनदत्त सूरि – वादिश्रीदेव सूरि – हेमचन्द्र – जिनकुशल सूरि – हीरविजय सूरि – जिनचन्द्र – जिनसिंह सूरि –
जैन राजनीतिज्ञ 554
श्रुतकीर्ति – चामुंडराय – शांतिनाथ – गंगराज – बोप्प – पुणिस – बलदेवण्ण – मरियाने और भरत – ऐच – विष्णुदण्डाधिप – मादिराज – देवराज – हुल्ल – शांतियण्ण – ईश्वर चमूप – रेचरस – बूचिराज – चन्द्रमौलि – नागदेव – महादेव दण्डनाथ – कम्मट माचय्य – अमृत – ईचण – माधव – कूचिराज – इरुगप्प – गोप
गुजरात के जैन राजनीतिज्ञ 563
मुंजल – शांतु या संपत्कर – आसुक – सज्जन – वाग्भट – चन्द्रसूरि – अम्बड़ व आम्रभट – चाहड़ – महादेव – पृथ्वीपाल – दण्डनायक – यशःपाल – अन्य अधिकारी
मध्यप्रदेश के जैन राजनीतिज्ञ 566
पाहिल – साहुकुशराज – कमलसिंह
मांडु के सुल्तानों के जैन राजनीतिज्ञ 567

नरदेव सोनी – संग्रामसिंह सोनी – मंडन – जसवीर – पुंजराज – रामपुरा का पदार्थ
उत्तर प्रदेश के जैन राजनीतिज्ञ 568
रामसिंह चौहान
राजस्थान के जैन राजनीतिज्ञ 569
विमल – उदयन – वस्तुपाल – तेजागदहिया – मुहणीत जयमल और उसका पुत्र नैणसी – रत्नसिंह भंडारी – धनराज – शमशेर सिंह बहादुर – इन्द्रराज सिंघी
बीकानेर के वीर शासक 574
नागराज – कर्मचन्द्र बच्छावत – अमरचन्द्र सुराणा
उदयपुर के वीर शासक 575
आशाशाह और मेहता चीलजी – भामाशाह – संघवी दयालदास मेहता अगरचन्द – मेहता देवीचन्द
जयपुर के वीर शासक 576
शाह नानू – विमलदास – रामचन्द्र – कृपाराम और विजयराम छाबड़ा – हरिसिंह – रामचन्द्र – शिवाजीलाल – झूंताराम संघी – कृष्णदास – श्रावक – राहड़ – आहड़ – छड़क सेठ और कुबेर – जगदु
मध्य प्रदेश के जैन राजनीतिज्ञ 580
पेथड़ – झांझण – समरसिंह – कर्मशाह – पाड़ाशाह

8. जैन धर्म की भारतीय संस्कृति को देन 585

नैतिक क्षेत्र 585
अहिंसा 585
अपरिग्रह 587
ब्रह्मचर्य 587
कर्म का सिद्धान्त 588
नय का सिद्धान्त 588
संगठन का क्षेत्र 589
राजनैतिक क्षेत्र 589
सामाजिक क्षेत्र 590
जाति व्यवस्था 590
नारी की स्थिति 591
आर्थिक क्षेत्र 592
कला व स्थापत्य का क्षेत्र 593
स्थापत्य 593
स्तूप और विहार – गुफाएं – मन्दिर

मूर्तिकला 597
चित्रकला 599
शिक्षा क्षेत्र 600
साहित्य का क्षेत्र 601
आगम और दर्शन साहित्य 602
समृद्ध कथा साहित्य 604
कथा, कथानक और कथाकोश 605
रामायण, महाभारत, चरित, पुराण और नाटक 605
काव्य, महाकाव्य और अन्य लघु कविताएं 606
व्याकरण छन्द 608
तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में जैन साहित्य 609
ऐतिहासिक, राजनैतिक और भौगोलिक ग्रन्थ 610
वैज्ञानिक ग्रन्थ 611
आयुर्वेद 611
गणित 611
ज्योतिष 612
जैन शास्त्र भण्डार 612
तंत्र-विद्या और मंत्र-विद्या 614

9. धार्मिक-विभाजन 615

महावीर के समय 615
श्वेताम्बर और दिगम्बर 616
संघ, गण और गच्छ 619
कल्पसूत्र और मथुरा के कुषाण अभिलेखों में गण 619
पंचस्तूपान्वय 620

दक्षिण के दिगम्बर संघ, गण और गच्छ

निग्रंथ महाश्रमण संघ – मूल संघ – देवगण – देशी गण एवं कुन्दकुंदान्वय – पुस्तकगच्छ – नन्दि गण – सेन गण – सूरस्थगण – कानूरगण – तिंत्रिणीगच्छ – बलात्कारगण – निगमान्वय – यापनीय संघ – कूर्चक संघ – द्राविड़ संघ – काष्ठा संघ – जम्बूखण्डगण – सिंहवूरगण

मध्यकाल में उत्तर भारत के श्वेताम्बर गच्छ

राजस्थान 637
क्रियात्मक-गच्छ 637
बृहद्गच्छ – खरतरगच्छ – तपागच्छ – आंचलगच्छ – पूर्णिमियागच्छ

और सार्धपूर्णिमियागच्छ – आगमिक गच्छ – कुलगच्छ – चन्द्रगच्छ
नागेन्द्रगच्छ – निवृत्तिगच्छ
प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम पर गच्छ 640
खरतरगच्छ – तपागच्छ – पार्श्वनाथगच्छ
सिरोही राज्य में इस प्रकार के गच्छ 641
जोधपुर राज्य में इस प्रकार के गच्छ 641
राज्यों में सामान्य गच्छ 641
स्थानीय गच्छ 643
मारवाड़ राज्य से उत्पन्न गच्छ 644
मेवाड़ के स्थानों से गच्छों की उत्पत्ति 645
अन्य ज्ञात स्थानों से गच्छों की उत्पत्ति 646
अज्ञात स्थानों से गच्छों की उत्पत्ति 646
अन्य बचे हुए गच्छ 647
खरतरगच्छ की शाखाएँ 647
मारवाड़ के गच्छ 647
जैसलमेर राज्य के गच्छ 647
जयपुर राज्य के गच्छ 648
मेवाड़ राज्य के गच्छ 648
सामान्य गच्छ 648
गुजरात 649
मालवा 650
महाराष्ट्र 650
उत्तर प्रदेश 650

उत्तर भारत में मध्यकाल में दिगम्बर संघ, गण और गच्छ

माथुर संघ – काष्ठा संघ – वागड़ संघ – लाटवागड़गण –
नंदितटगच्छ – पुन्नाट संघ – मूल संघ – बलात्कारगण – चित्तौड़
की गद्दी के भट्टारक – नागोरपट्ट के भट्टारक – अजमेरपट्ट के
भट्टारक
राजस्थान में चैत्यवासी पंथ 672
मूर्तिपूजक और मूर्तिविरोधी मत 674
लोका सम्प्रदाय – स्थानकवासी सम्प्रदाय – तेरापंथी सम्प्रदाय –
गुमानपंथी सम्प्रदाय – बीसपंथी सम्प्रदाय – तोतापंथी सम्प्रदाय

10. सामाजिक-विभाजन 679

राजस्थान की जैन जातियां और गोत्र

ओसवाल 680
ओसवालों के गोत्र 680
स्थानीय गोत्र – औद्योगिक गोत्र – व्यक्तिगत नामों पर गोत्र
कुलों का गोत्रों में परिवर्तन – कर्मों के आधार पर गोत्र
श्रीमाली 686
श्रीमालियों के गोत्र 687
पोरवाल 688
पल्लीवाल जाति 689
खंडेलवाल जाति 690
स्थानीय गोत्र 690
उद्योग गोत्र 691
उपाधियां और उपनाम 691
बघेरवाल जाति 693
अग्रवाल जाति 694
चित्तौड़ा और नागदा जातियां 694
हुम्बड़ जाति 695
घर्कट वंश 695
मंत्रीदलीय (महतियण) 696

गुजरात की जैन जातियां और गोत्र

मध्य प्रदेश की जैन जातियां और गोत्र

तारणपंथी 700

उत्तर प्रदेश की जैन जातियां और गोत्र

महाराष्ट्र की जैन जातियां और गोत्र

बिहार की जैन जातियां और गोत्र

दक्षिण भारत की जैन जातियां और गोत्र

11. जैन धर्म का पतन और अस्तित्व 705

पतन के कारण 705
विभिन्न क्षेत्रों में पतन के विशेष कारण 707
तमिलदेश 707
आंध्र प्रदेश 708
कर्नाटक 709

बिहार 710
कुछ अन्य सामान्य कारण 711
जैन धर्म के अस्तित्व के कारण 714
ग्रंथ-सूची 719

तृतीय खण्ड
मध्यकालीन जैन धर्म

12. मध्यकालीन जैन धर्म 731
13. प्राचीन जैन तीर्थ और ऐतिहासिक स्थल, मानचित्र चतुर्थ 801
14. भट्टारक सम्प्रदाय 869
15. मध्ययुग में जैनों का आर्थिक जीवन 899
16. मध्यकाल में जैनों का सामाजिक जीवन 927
17. मध्यकालीन भारत में जैन धर्म 963
18. उत्तर मध्यकालीन मालवा में जैन धर्म 1019
ग्रंथ-सूची 1073